देवरिया में नकली शराब बनाने की फैक्ट्री पकड़ी गई, एक गिरफ्तार

Publish Date:Tue, 01 May 2018 02:45 PM (IST)

स्पेशल एसओजी की टीम ने छापेमारी कर सरगना को किया गिरफ्तार

गोरखपुर : देवरिया जनपद में मंगलवार को स्पेशल एसओजी टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी। टीम ने सदर कोतवाली के अगस्तपार में एक मकान में बन रहे नकली शराब की फैक्ट्री पर छापेमारी की और छह पेटी तैयार शराब पकड़ा। इसके अलावा वहा से दस ड्रम नकली शराब तैयार करने के लिए रखे स्प्रीट, उपकरण व 20 बोरी से अधिक देशी शराब की खाली शीशी व ढक्कन बरामद किया गया। पुलिस ने मौके से मकान मालिक, शराब बनाने वाले सरगना समेत तीन को दबोच लिया। पुलिस पकड़े गए आरोपितों से कोतवाली में ले आकर पूछताछ कर रही है।

स्पेशल एसओजी टीम के प्रभारी विनोद यादव व कोतवाली के उप निरीक्षक महेंद्र कुमार ने मुखबिर की सूचना पर एक कार सवार को दबोच लिया और उसकी निशानदेही पर मंगलवार की दोपहर शहर से सटे अगस्तपार गाव के बाहर स्थित एक मकान पर छापेमारी की। मकान के अंदर जाते ही पुलिस भी अवाक रह गई। मकान के अंदर नकली शराब तैयार करने के लिए दस ड्रम स्प्रीट रखा हुआ था। जबकि कुछ शराब तैयार हो चुकी थी। इसके अलावा शराब को पैक करने के लिए मशीन, विभिन्न ब्राड के रैपर, केमिकल व अन्य सामान मौजूद था। पुलिस ने सभी सामानों को अपने कब्जे में ले लिया है। साथ ही मकान मालिक ऋषिनाथ तिवारी, सरगना व हिस्ट्रीशीटर प्यारे लाल व सप्लायर अभय कुमार मिश्र निवासी धनौती को मौके से ही दबोच लिया। इस बाबत इगल टीम प्रभारी विनोद यादव ने कहा कि नकली शराब बनाने की फैक्ट्री पकड़ी गई है। आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस को ऐसे मिली सफलता : अभय कुमार मिश्रा पहले भी 11 फरवरी को पकड़ा जा चुका है। सदर कोतवाली के कसया मार्ग पर शराब बनाते हुए स्वाट टीम ने अभय मिश्र 250 पेटी शराब के साथ पकड़ा था। पुलिस ने उसे जेल भेज दिया था। इगल टीम को लगातार सूचना मिल रही थी कि अभय मिश्र पुन : शराब के धंधे में लग गया है। सूचना के बाद पुलिस उसके पीछे अपना मुखबिर छोड़ दी थी। शनिवार को भी पुलिस ने उसका पीछा तो किया, लेकिन वह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था। मंगलवार को वह अपनी कार से जिलाधिकारी आवास के सामने निकल रहा था, इसी बीच इगल टीम ने डीएम आवास के सामने ही उसे दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके गाड़ी में छह पेटी शराब मिली और फिर उसके ही निशानदेही पर पुलिस ने अगस्तपार में छापेमारी की।

दस हजार रुपये में तीन कमरे को दिया था किराये पर : हाल ही में हिस्ट्रीशीटर प्यारे लाल को कोतवाली पुलिस ने दिन दहाड़े दौड़ाकर असलहा के साथ पकड़ा था। पकड़े गए मकान मालिक का कहना है कि प्यारे लाल ने उसे दस हजार रुपये महीने पर तीन कमरा लिया था और उसी में शराब तैयार करता था। खास बात यह है कि मकान मालिक भी उनके साथ ही रहता था।

Source: https://www.jagran.com/uttar-pradesh/gorakhpur-city-fake-liquor-factory-was-caught-in-deoria-arrested-one-17899410.html